

This question paper contains 3 printed pages]

08/01/2025

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 2087

Unique Paper Code : 2322101101

A

Name of the Paper : Understanding Political Theory

Name of the Course : B.A. (Hons.) Political Science

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. What distinguishes political theory from political philosophy ? Provide examples to clarify the distinction.

राजनीति सिद्धांत को राजनीतिक दर्शन से क्या अलग करता है ? अंतर स्पष्ट करने के लिए उदाहरण दीजिए।

P.T.O.

2. How does the empirical approach help in the scientific study of politics ?

अनुभवजन्य उपागम राजनीति के वैज्ञानिक अध्ययन में कैसे सहायक है ?

3. Discuss the key features of the liberal tradition in political theory.

राजनीति सिद्धांत में उदारवादी परंपरा की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

4. What are the core principles of anarchism ? Critically examine how anarchism envisions a stateless society and its feasibility in contemporary times.

अराजकतावाद के मुख्य सिद्धांत क्या हैं ? अराजकतावाद राज्य विहीन समाज की परिकल्पना कैसे करता है, और यह समकालीन समय में कितना व्यवहारिक है, इसका आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

5. Explain the role of feminist political theory in addressing issues of power and inequality.

शक्ति और असमानता के मुद्दों को संबोधित करने में नारीवादी राजनीतिक सिद्धांत की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

6. How does postmodernism challenge universal principles in political theory ?

उत्तर-आधुनिकतावाद राजनीति सिद्धांत में सार्वभौमिक सिद्धांतों को कैसे चुनौती देता है ?

7. Discuss the significance of political obligation in the context of democratic governance.

लोकतांत्रिक अभिशासन के संदर्भ में राजनीतिक बाध्यता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

8. What is the historical approach to political theory ? How does it enhance our understanding of political ideologies ?

राजनीति सिद्धांत के प्रति ऐतिहासिक दृष्टिकोण क्या है ? यह राजनीतिक विचारधाराओं की हमारी समझ को कैसे बढ़ाता है ?

9. How does conservatism address the challenges of social change ? Critically analyze its emphasis on tradition, authority and continuity in the modern political landscape.

अनुदारवाद सामाजिक परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान कैसे करता है ? परंपरा, प्राधिकरण और निरंतरता पर अनुदारवाद के जोर का आधुनिक राजनीतिक परिदृश्य में आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

10. Write short notes on any *two* of the following :

- (a) Normative Approach in Political Theory
- (b) Marxism
- (c) Citizenship
- (d) Theory.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (a) राजनीति सिद्धांत में मानकीय उपागम
- (b) मार्क्सवाद
- (c) नागरिकता
- (d) सिद्धांत।

10/01/25
[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 2111

Unique Paper Code : 2322101102

Name of the Paper : Ideas and Institutions in
Indian Political Thought

Name of the Course : B.A. (Hons) Political Science

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

Semester/Annual : I

सेमेस्टर/वार्षिक

Duration : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Briefly explain the nature and historical development of political institutions in ancient India.

प्राचीन भारत में राजनीतिक संस्थाओं की प्रकृति और ऐतिहासिक विकास का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

2. "The strong would devour the weak like fishes" (Manu Samhita). Critically analyse the statement with reference to *matsya nyaya*.

“शक्तिशाली लोग कमजोरों को मछलियों की तरह खा जायेंगे” (मनुसंहिता)। मत्स्य न्याय के संदर्भ में कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

3. Evaluate the concepts of *Dharma* and *Danda* in ancient Indian political thought.

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में धर्म और दण्ड की अवधारणाओं का मूल्यांकन कीजिए ।

4. Explain the idea of *Rashtra* as found in ancient political thought.

प्राचीन राजनीतिक चिंतन में पाए जाने वाले राष्ट्र के विचार की व्याख्या कीजिए ।

5. How the concept of *Rashtra* and *Rashtriyata* in Indian political thought is different from the concept of Nation and Nationalism?

भारतीय राजनीतिक चिंतन में राष्ट्र और राष्ट्रीयता की अवधारणा राष्ट्र और राष्ट्रवाद की अवधारणा से किस प्रकार भिन्न है ?

6. In the light of their role and functions, discuss how *Sabha* and *Samiti* were two representative institutions in ancient India?

सभा और समिति की भूमिका और कार्यों के आलोक में प्राचीन भारत की प्रतिनिधि संस्थाओं के योगदान की व्याख्या कीजिए ।

7. Compare the concepts of *Dharma* and *Dhamma* as the basic elements of existence.

अस्तित्व के मूल तत्वों के रूप में धर्म और धम्म की अवधारणाओं की तुलना कीजिए ।

8. Analyse the idea of Justice in ancient Indian political thought.

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में न्याय के विचार का विश्लेषण कीजिए ।

9. Discuss the meaning and features of *Varna* and *Jati* in Indian political thought.

भारतीय राजनीतिक चिंतन में वर्ण और जाति के अर्थ और विशेषताओं पर चर्चा कीजिए ।

10. 'Under the democratic polity of reservation and electoral politics, the role of caste in Indian social system underwent significant changes'; in the light of the statement discuss the changing role of caste in contemporary India.

‘आरक्षण और चुनावी राजनीति की लोकतांत्रिक राजनीति के तहत, भारतीय सामाजिक व्यवस्था में जाति की भूमिका में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए’; इस कथन के आलोक में समकालीन भारत में जाति की बदलती भूमिका पर चर्चा कीजिए ।

14/01/25

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. :

Sl. No. of Q. Paper : **2137** **I**

Unique Paper Code : 2322101103

Name of the Paper : Colonialism and
Nationalism in India

Name of the Course : **B.A. (Hons.)**
Political Science

Semester : I

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 90**

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

- (a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना अनुक्रमांक नंबर लिखें।

- (b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

(c) Attempt any **five** questions.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(d) **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain various perspectives on colonialism with reference to the British rule in India.

भारत में ब्रिटिश शासन के संदर्भ में उपनिवेशवाद पर विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए।

2. Critically analyse the various approaches to nationalism in India, drawing references from the 19th and 20th centuries' India's struggle for independence.

19 वीं और 20 वीं शताब्दी के भारत के स्वतंत्रता संग्राम का संदर्भ लेते हुए, भारत में राष्ट्रवाद के विभिन्न दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. Discuss various of the constitutional developments during the colonial state in India.

भारत में औपनिवेशिक राज्य के दौरान संवैधानिक विकास के विभिन्न चरणों पर चर्चा कीजिए।

4. How far do you agree that the early phase of colonial rule in India aimed at consolidating power through ideological justifications ? Discuss with special reference to the utilitarians and the missionaries in colonial India.

आप इस बात से कहां तक सहमत हैं कि भारत में औपनिवेशिक शासन के प्रारंभिक चरण का उद्देश्य वैचारिक औचित्य के माध्यम से सत्ता को मजबूत करना था ? औपनिवेशिक भारत में उपयोगितावादियों और मिशनरियों के विशेष संदर्भ में चर्चा कीजिए।

- 5.** Explain the impact of colonial rule on economy, agriculture and peasantry in India in the 19th and 20th centuries.

19 वीं और 20 वीं शताब्दी में भारत में अर्थव्यवस्था, कृषि और किसान वर्ग पर औपनिवेशिक शासन के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

- 6.** Explain the causes and consequences of the 1857 rebellion. Discuss the different views on it being the first war of independence.

1857 के विद्रोह के कारण एवं परिणाम बताइये। इसके प्रथम स्वतंत्रता संग्राम होने पर विभिन्न विचारों पर चर्चा कीजिए।

- 7.** Evaluate the role of Gandhi in the non – cooperation and civil disobedience movements.

असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों में गांधी की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

- 8.** Discuss the contribution of revolutionaries, socialists and communists in India's freedom struggle.

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों, समाजवादियों और कम्युनिस्टों के योगदान की चर्चा कीजिए।

9. Examine the reasons for the growth of the major peasant and tribal movements in colonial India and explain the strategies they adopted.

औपनिवेशिक भारत में प्रमुख किसान और आदिवासी आंदोलनों के विकास के कारणों की जांच करें और उनके द्वारा अपनाई गई रणनीतियों की व्याख्या कीजिए।

10. Write short notes on any **two** of the following :
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Swadeshi

स्वदेशी

(b) Communalism in India.

भारत में साम्प्रदायिकता

(c) Women's contribution to Indian freedom movement.

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं का योगदान

(d) Anti – caste movements

जाति विरोधी आंदोलन

26/12/24

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 7033

I

Unique Paper Code : 12321102

Name of the Paper : Constitutional Government
and Democracy in India

Name of the Course : B.A. (Hons) Political Science

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

Semester/Annual : I

सेमेस्टर/वार्षिक

Duration : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75

पूर्णांक : 75



Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Analyze the preamble, philosophy, and key features of the Indian Constitution. How' do these elements strengthen India's democracy?

भारतीय संविधान की प्रस्तावना, दार्शनिकता और इसकी मुख्य विशेषताओं का विल्लेषण कीजिए। यह तत्व भारत के लोकतंत्र को कैसे सशक्त बनाते हैं?

2. Explain the difference between Fundamental Rights and Directive Principles.

मौलिक अधिकारों और नीति-निर्देशक सिद्धांतों के बीच अंतर को स्पष्ट कीजिए।

3. Describe the powers and functions of Indian Parliament. Additionally, analyze debates on representation in Parliament.

भारतीय संसद की शक्ति और कार्यों का वर्णन कीजिए। साथ ही, संसद में प्रतिनिधित्व को लेकर होने वाली बहसों का विश्लेषण कीजिए।

4. Analyse the appointment, power and functions of High Court and Supreme Court Judges.

उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति, शक्ति और कार्यों का विश्लेषण करें।

5. Evaluate the role of Panchayats and Municipalities in Decentralization and strengthening the Local Governance?

पंचायतों और नगर पालिकाओं की भूमिका और स्थानीय शासन के विकेंद्रीकरण और सुदृढ़ीकरण का मूल्यांकन करें?

6. Examine the power and responsibilities of President of Prime Minister. In what ways their roles have changed over the period of time.

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की शक्तियों और जिम्मेदारियों का परीक्षण करें। समय के साथ उनकी भूमिकाएं किस तरह बदल गई हैं।

7. Critically examine the provisions of emergency provided in Indian constitution in the context of democracy.

लोकतंत्र के संदर्भ में भारतीय संविधान में प्रदत्त आपातकाल के प्रावधानों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

8. Write short notes on **any two** of the following :

निम्नलिखित में से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

- (a) Significance of the philosophy of the Indian Constitution

भारतीय संविधान की दार्शनिकता का महत्व

- (b) Importance of Directive Principles

नीति-निर्देशक सिद्धांतों का महत्व

- (c) Importance and Purpose of the Preamble

प्रस्तावना का महत्व और उद्देश्य

- (d) Purpose of National Security Laws

राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों का उद्देश्य